

राजस्थान जीके नोट्स · नोट्स बाज़ार · राजस्थान का इतिहास · प्राचीन राजस्थान

अध्याय 1

इतिहास के स्रोत एवं ऐतिहासिक काल-विभाजन

शिलालेख, ताम्रपत्र, सिक्के, बहियाँ और ख्यातें: राजस्थान के अतीत को हम इन्हीं से जानते हैं। यह अध्याय पूरी तरह तथ्यों पर आधारित है, और इसका हर नाम परीक्षाओं में पूछा जा चुका है।

इस अध्याय में आपको मिलेगा

10

विषय-खंड

9

नोट्स के बीच पिछले प्रश्न

10

याद रखने की ट्रिक

35

टेस्ट प्रश्न

30

फ़्लैशकार्ड

इस अध्याय में

किसी भी शीर्षक पर क्लिक करें, सीधे उसी भाग पर पहुँचें।

01 एक नज़र में

02 पुरातत्व

03 प्राचीन अभिलेख

04 मध्यकालीन अभिलेख

05 ताम्रपत्र व सिक्के

06 स्मारक व कला

07 अभिलेखागारीय स्रोत

08 साहित्यिक स्रोत

09 इतिहासकार

10 अंतिम दिन की पुनरावृत्ति

★ याद रखने की ट्रिक

10 याद रखने की ट्रिक

✍ अध्याय टेस्ट

35 टेस्ट प्रश्न

✳ फ़्लैशकार्ड

30 फ़्लैशकार्ड

✓ उत्तर-कुंजी

इन परीक्षाओं के प्रश्न शामिल हैं

CET

RAS Prelims

कॉलेज व्याख्याता

पटवारी

RPSC तृतीय श्रेणी शिक्षक

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल

स्कूल व्याख्याता एवं कोच

प्रहरी परीक्षा

जमादार ग्रेड II

कनिष्ठ अनुदेशक

उच्च न्यायालय LDC

कंप्यूटर परीक्षा

वनरक्षक परीक्षा

मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा

क्यूरेटर परीक्षा

कनिष्ठ अभियंता

कृषि अधिकारी

अन्वेषक परीक्षा

इस अध्याय को कैसे पढ़ें

1. पहले हर खंड के ★ तथ्य पढ़ें: यही सबसे ज़्यादा पूछे जाते हैं।
2. नोट्स के बीच आए पिछले प्रश्न तुरंत हल करें; उत्तर अंत की उत्तर-कुंजी में हैं।
3. लाल डिब्बों की परीक्षा-चूक और पीले डिब्बों की ट्रिक दोहराएँ।
4. अंत में अध्याय टेस्ट दें, फिर फ़्लैशकार्ड से दोहराएँ।

हल किए गए पिछले प्रश्न-पत्र, मॉक टेस्ट और मुफ्त अभ्यास

notesbazar.in/rajasthan-exams →

★ ज़रूरी तथ्य · लाल डिब्बा = परीक्षा की चूक · पीला डिब्बा = ट्रिक

01 एक नज़र में

↑ विषय-सूची

- ★ इतिहास का पुनर्निर्माण स्रोतों से होता है: पुरातात्विक अवशेष, शिलालेख (अभिलेख), ताम्रपत्र, सिक्के, स्मारक व चित्र, अभिलेखागारीय दस्तावेज़ और साहित्य।
- ★ राजस्थान का सबसे प्राचीन अभिलेख बड़ली का शिलालेख (अजमेर, 443 ई.पू.) है। संस्कृत का सबसे प्राचीन अभिलेख घोसुंडी शिलालेख (चित्तौड़गढ़, दूसरी शताब्दी ई.पू.) है।
- ★ इस क्षेत्र को सबसे पहले "राजपूताना" नाम जॉर्ज थॉमस ने दिया (1800 ई.)। "राजस्थान" शब्द का प्रथम प्रयोग कर्नल जेम्स टॉड ने *एनाल्स एंड एंटीक्विटीज़ ऑफ़ राजस्थान* (1829) में किया।
- ★ राजस्थान की सबसे पुरानी बही मेवाड़ के महाराणा राजसिंह के काल की है।
 - राजस्थान राज्य अभिलेखागार बीकानेर में है।

इतिहास का काल-विभाजन

काल	लिपि	जानकारी का आधार	राजस्थान में
प्रागैतिहासिक काल	लेखन कला अज्ञात	केवल पुरातात्विक साक्ष्य	पाषाण काल के स्थल: बागौर, तिलवाड़ा, लूनी घाटी
आद्य-ऐतिहासिक काल	लिपि ज्ञात, पर अभी तक पढ़ी नहीं गई	मुख्यतः पुरातत्व	हड़प्पा व ताम्रपाषाणिक संस्कृतियाँ: कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर
ऐतिहासिक काल	पढ़ी जा सकने वाली लिपि	लिखित साक्ष्य + पुरातत्व	महाजनपद काल (लगभग 600 ई.पू.) से वर्तमान तक

- स्वतंत्रता से पहले यह क्षेत्र **राजपूताना** कहलाता था, जिसमें 19 रियासतें थीं। **"राजस्थान"** नाम का आधिकारिक प्रयोग पहली बार एकीकरण के दौरान बने राजस्थान संघ (1948) के लिए हुआ, और 1950 में यह राज्य का नाम बना।
- महाभारत काल में राज्य का उत्तरी भाग (बीकानेर, नागौर) **जांगल प्रदेश** कहलाता था।
- यह क्षेत्र अशोक (मौर्य) के अधीन रहा, बाद में यूनानी और शक प्रभाव में आया, और चौथी शताब्दी के अंत से छठी शताब्दी तक यहाँ **गुप्तों** का शासन रहा।
- हर्ष की मृत्यु के बाद राजपूतों का उदय हुआ। इतिहासकार **वी.ए. स्मिथ** ने 7वीं शताब्दी के मध्य से 12वीं शताब्दी तक के काल को **"राजपूत काल"** कहा।

पिछला प्रश्न 1 · CET (सीनियर सेकेंडरी) 2024 · R15 · 5 परीक्षाओं में पछा गया

उस क्षेत्र को, जिसे अब राजस्थान कहा जाता है, सबसे पहले "राजपूताना" किसने कहा?

- A. जॉर्ज अब्राहम
B. जॉर्ज थॉमस
C. जॉर्ज अलेक्जेंडर
D. जॉर्ज टॉड

💡 **टिप:** सदी की शुरुआत "राजपूताना" से (जॉर्ज थॉमस, 1800); 29 साल बाद टॉड ने "राजस्थान" कहा।

02 पुरातात्विक स्रोत

↑ विषय-सूची

- ★ अलेक्जेंडर कनिंघम भारतीय पुरातत्व के जनक कहलाते हैं। वे 1861 में स्थापित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पहले महानिदेशक थे।
- ★ राजस्थान में पहला पुरातात्विक सर्वेक्षण ए.सी.एल. कार्लाइल ने किया (1871)। उन्हें राजस्थान में पुरातत्व का जनक कहा जाता है।
- कालीबंगा, आहड़, गणेश्वर, बैराठ, रंगमहल, बागौर, नोह और नगरी जैसे उत्खनित स्थलों से मृद्भांड, औज़ार, आभूषण, सिक्के और मूर्तियाँ मिली हैं। इनका विवरण अध्याय 2 और 3 में है।

- राजस्थान के प्रमुख उत्खननकर्ता: बी.बी. लाल, बी.के. थापर, वी.एन. मिश्र, आर.सी. अग्रवाल, डी.आर. भंडारकर, दयाराम साहनी, ललित पांडे, जीवन सिंह खरकवाल।

03 अभिलेख: प्राचीन काल (8वीं शताब्दी तक)

1 विषय-सूची

- ★ अभिलेखों के अध्ययन को पुरालेखशास्त्र (एपिग्राफी) कहते हैं। जिन अभिलेखों में शासकों की प्रशंसा हो, उन्हें प्रशस्ति कहते हैं।
- अभिलेख समकालीन होते हैं, इसलिए इनसे तिथियाँ और वंश निश्चित होते हैं। प्रारंभिक अभिलेख प्राकृत और संस्कृत (ब्राह्मी लिपि) में हैं। बाद के अभिलेख नागरी, फ़ारसी और राजस्थानी में मिलते हैं।
- इनमें विजय, मंदिर-जलाशय निर्माण, दान, खेतों की सीमाएँ, सती प्रथा, पंचायत के निर्णय और कवियों की काव्य-शैली का उल्लेख मिलता है।

अभिलेख	समय - स्थान	महत्त्व
बड़ली	443 ई.पू. - अजमेर	राजस्थान का सबसे प्राचीन अभिलेख, अशोक से भी पुराना; प्राकृत भाषा, ब्राह्मी लिपि; वीर निर्वाण संवत् 84; माध्यमिका (चित्तौड़) जैन केंद्र; 1912 में गौरीशंकर हीराचंद ओझा को बड़ली (अब केकड़ी ज़िला) के भिलोत माता मंदिर से मिला
घोसुंडी (हाथीबाड़ा)	दूसरी शताब्दी ई.पू. - चित्तौड़गढ़	संस्कृत का सबसे प्राचीन अभिलेख; संकर्षण और वासुदेव की पूजा = भागवत (वैष्णव) धर्म का सबसे प्राचीन प्रमाण; गजवंशी राजा सर्वतात द्वारा अश्वमेध; डी.आर. भंडारकर ने पढ़ा
नगरी	लगभग 200-150 ई.पू. - चित्तौड़गढ़	"सर्वभूतानां दयार्थ": सभी प्राणियों पर दया हेतु किसी संस्था की स्थापना (बौद्ध या जैन)
भाबू (बैराठ)	अशोक कालीन - बैराठ	बुद्ध, धम्म और संघ में अशोक की आस्था; कैप्टन बर्ट को मिला (1837); अब एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता में
भीमजी की झंगरी	अशोक कालीन - बैराठ	बैराठ का दूसरा अशोक अभिलेख, कार्लाइल ने खोजा
नांदसा यूप	225 ई. - भीलवाड़ा	जलाशय में गोल स्तंभ; षष्ठिरात्र यज्ञ
बरनाला यूप	227 ई. - जयपुर	यज्ञ के बाद सात यूप स्तंभों की स्थापना। बरनाला का दूसरा अभिलेख (278 ई.) विष्णु को समर्पित गर्ग-त्रिरात्र यज्ञ का उल्लेख करता है, इसलिए यह वैष्णव धर्म का भी प्रमाण है
बड़वा यूप	238-39 ई. - कोटा (बारां)	तीन यूप स्तंभ, मौखरी राजाओं के सबसे प्राचीन अभिलेख; त्रिरात्र और अप्तोर्याम यज्ञ
विजयगढ़ (बयाना) यूप	371-72 ई. - भरतपुर	वारिक विष्णुवर्धन द्वारा पुंडरीक यज्ञ; गुप्त काल
गंगधार	423 ई. - झालावाड़	राजा विश्ववर्मा के मंत्री मयूराक्ष द्वारा विष्णु मंदिर और तांत्रिक शैली का "मातृगृह"
भ्रमर माता	490 ई. - चित्तौड़	गौड़ और औलिकर शासक; गौड़ शासक द्वारा देवी मंदिर निर्माण
बसंतगढ़	625 ई. - सिरौही	क्षेमकरी (खीमेल) माता मंदिर से मिला; राजा वर्मलात के समय आबू का सामंत राजजिल; "राजस्थानीयादित्य" पद; सामंत प्रथा का प्रमाण
सामोली	646 ई. - उदयपुर	गुहिल राजा शिलादित्य का समय; जावर में खनन; अरण्यवासिनी देवी का मंदिर
अपराजित	661 ई. - नागदा (उदयपुर)	ओझा को कुंडेश्वर मंदिर से मिला; गुहिल शासक अपराजित; रचयिता दामोदर
मानसरोवर (मानमोरी)	713 ई. - चित्तौड़गढ़	मानसरोवर झील (पुठोली, चित्तौड़ के पास) के एक स्तंभ पर; चित्तौड़ के प्रारंभिक इतिहास पर प्रकाश; मौर्य राजा माहेश्वर, भीम, भोज और मान का उल्लेख; रचयिता पुष्य, उत्कीर्णक शिवादित्य; इंग्लैंड जाते समय टॉड ने इसे समुद्र में फेंक दिया, अब केवल उसका अनुवाद उपलब्ध
कणसवा	738 ई. - कोटा	कोटा के पास एक शिवालय से मिला; मौर्य राजा धवल का उल्लेख

★ अशोक के अभिलेखों के अलावा, राजस्थान में परवर्ती मौर्य शासकों का उल्लेख दो अभिलेखों में है: कणसवा (कोटा) और मानसरोवर/मानमोरी (चित्तौड़)।

परीक्षा की चूक

बड़ली = राजस्थान का सबसे प्राचीन अभिलेख (प्राकृत)। **घोसुंडी** = संस्कृत का सबसे प्राचीन अभिलेख और **भागवत** धर्म का प्रमाण। विकल्प में आने वाला बेसनगर (हेलियोडोरस) स्तंभ मध्य प्रदेश में है।

पिछला प्रश्न 2 · RAS प्रारंभिक 2016 · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

अभिलेख, जो प्राचीन राजस्थान में भागवत सम्प्रदाय के प्रभाव की पुष्टि करता है

- | | |
|-------------------|--------------------------------|
| A. घटियाला अभिलेख | B. हेलियोडोरस का बेसनगर अभिलेख |
| C. बुचकला अभिलेख | D. घोसुण्डी अभिलेख |

पिछला प्रश्न 3 · कॉलेज व्याख्याता 2014

राजस्थान में अशोक का अभिलेख कहाँ प्राप्त हुआ था ?

- | | |
|----------|-----------|
| A. बड़ली | B. बरनाला |
| C. बैराठ | D. बुचकला |

पिछला प्रश्न 4 · RAS प्रारंभिक 2021

बयाना दुर्ग स्थित वरिक विष्णुवर्धन विजय स्तम्भ किस काल का माना जाता है?

- | | |
|---------------|--------------|
| A. सल्तनत काल | B. मुगल काल |
| C. मौर्य काल | D. गुप्त काल |

💡 **ट्रिक:** बड़ली = सबसे "बड़ी" उम्र वाली। घोसुंडी = "गोविंद" (वासुदेव) की पूजा, इसलिए सबसे पुराना संस्कृत अभिलेख।

04 अभिलेख: पूर्व-मध्यकाल एवं मध्यकाल

† विषय-सूची

अभिलेख	समय · स्थान	महत्त्व
चाटसू	813 ई. · चाकसू (जयपुर)	चाटसू के गुहिलों (भर्तृभट्ट आदि) की वंशावली
घटियाला	861 ई. · जोधपुर	"माता की साल" जैन मंदिर के स्तंभ पर संस्कृत के चार अभिलेख; मंडोर के प्रतिहार शासक कक्कु और हरिश्चंद्र की वंशावली; मग ब्राह्मणों और जैन मंदिर का उल्लेख; लेखक मग, उत्कीर्णक कृष्णेश्वर
नाथ प्रशस्ति	971 ई. · एकलिंगजी	एकलिंगजी के ऊपर लकुलीश मंदिर में; मेवाड़ के गुहिल शासक नरवाहन; कवि आम्र
हर्ष (हर्षनाथ)	973 ई. · सीकर	प्रारंभिक चौहानों (विग्रहराज द्वितीय तक) की वंशावली; शैवाचार्य अल्लट द्वारा मंदिर निर्माण; पाशुपत संप्रदाय के गुरु विश्वरूप का उल्लेख
बिजौलिया	1170 ई. · भीलवाड़ा	संस्कृत; सांभर-अजमेर के चौहान (सोमेश्वर का काल); चौहानों को वत्स गोत्रीय ब्राह्मण बताया; वासुदेव ने शाकंभरी में राज्य स्थापित किया (551 ई.) और सांभर झील बनवाई; प्राचीन नाम जाबालिपुर (जालोर), शाकंभरी (सांभर), श्रीमाल (भीनमाल); जैन श्रावक लोलाक ने लगवाया, रचयिता गुणभद्र
चीरवा	1273 ई. · उदयपुर	संस्कृत, 51 श्लोक; गुहिल शासक पद्मसिंह, जैत्रसिंह, तेजसिंह, समरसिंह; नागदा और चित्तौड़ में तलारक्ष (नगर रक्षक); रचयिता रत्नप्रभ सूरि, शिल्पी देल्हन

अभिलेख	समय - स्थान	महत्त्व
रसिया की छतरी	1274 ई. · चित्तौड़	मेवाड़ की प्राकृतिक दशा: उपज, वनस्पति, पक्षी; नरवर्मा तक गुहिल वंशावली; रचयिता वेद शर्मा
अचलेश्वर	1285 ई. · आबू	बप्पा से समरसिंह तक गुहिल वंशावली; हारीत ऋषि के आशीर्वाद से बप्पा को राज्य मिला; रचयिता वेद शर्मा
शृंगी ऋषि	1428 ई. · एकलिंगजी के पास	मोकल का काल; लाखा द्वारा काशी, प्रयाग, गया के तीर्थ-कर से मुक्ति
पदराड़ा	1433 ई. · राजसमंद	कुंभा के शासनकाल का सबसे पहला अभिलेख (वि.सं. 1490); संस्कृत गद्य
रणकपुर	1439 ई. · पाली	चौमुखा जैन मंदिर में; कुंभा की विजयें और उपाधियाँ; बप्पा और कालभोज को अलग व्यक्ति बताया; शिल्पी दीपक
कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति	1460 ई. · चित्तौड़	विजय स्तंभ पर; मालवा-गुजरात पर कुंभा की विजय, उनके निर्माण, ग्रंथ और उपाधियाँ (राजगुरु, दानगुरु, शैलगुरु); हम्मीर को "विषमघाटी पंचानन" कहा; अत्रि ने आरंभ की, उनके पुत्र महेश ने पूरी की
कुंभलगढ़ प्रशस्ति	1460 ई. · राजसमंद	मेवाड़ के शासकों की वंशावली; कुंभा की उपलब्धियाँ
एकलिंगजी	1488 ई. · उदयपुर	राणा रायमल ने लगवाई; बप्पा को "द्विज" कहा; हम्मीर से रायमल तक गुहिल इतिहास; रचयिता महेश भट्ट
आमेर	1612 ई. · जयपुर	कछवाहों को "रघुवंश तिलक" कहा; भगवंतदास के पुत्र मानसिंह द्वारा जमवारामगढ़ दुर्ग का निर्माण
जगन्नाथ राय प्रशस्ति	1652 ई. · उदयपुर	जगतसिंह प्रथम द्वारा बनवाई जगदीश मंदिर में; हल्दीघाटी सहित मेवाड़ का इतिहास
बेड़वास	1668 ई. · उदयपुर	बेड़वास गाँव की बावड़ी में; राजसिंह प्रथम का काल; मेवाड़ी भाषा में
राज प्रशस्ति	1676 ई. · राजसमंद झील	भारत का सबसे बड़ा संस्कृत अभिलेख: राजसमंद की नौचौकी पाल पर काले पत्थर की 25 शिलाएँ (24 सर्ग); महाराणा राजसिंह के लिए रणछोड़ भट्ट तैलंग की रचना; मेवाड़ का इतिहास, हल्दीघाटी और 1615 की मुगल संधि

पिछला प्रश्न 5 · पटवारी प्रारंभिक परीक्षा 2016 · 3 परीक्षाओं में पूछा गया

जाबालिपुर, शाकंभरी और श्रीमाल जैसे प्राचीन नगरों का उल्लेख किस अभिलेख में है?

- A. आमेर अभिलेख
B. चीरवा अभिलेख
C. बिजौलिया अभिलेख
D. शृंगी ऋषि अभिलेख

फ़ारसी अभिलेख

- इनसे तुर्क और मुगल अभियानों, मंदिरों की सामग्री से बनी मस्जिदों, और आमिल, हाकिम, नाज़िम जैसे अधिकारियों की जानकारी मिलती है।
- ★ अढ़ाई दिन का झोंपड़ा में लगा अजमेर अभिलेख (1200 ई.) राजस्थान का सबसे प्राचीन फ़ारसी अभिलेख है। इसमें संस्कृत पाठशाला के स्थान पर मस्जिद बनाने का उल्लेख है।
- ★ धाई बी पीर की दरगाह, चित्तौड़ (1325 ई.): इसमें चित्तौड़ को "खिज़्राबाद" कहा गया है, और यह तुग़लक़ प्रभाव दिखाता है।
- जहाँगीरी महल, पुष्कर (1615 ई.): राणा अमरसिंह पर जहाँगीर की विजय और पुष्कर में महल-निर्माण का उल्लेख।
- शाहजहाँनी मस्जिद, अजमेर (1637 ई.): अमरसिंह के विरुद्ध अभियान के बाद ख़ुर्रम (शाहजहाँ) द्वारा बनवाई मस्जिद।

परीक्षा की चूक

1460 की दो प्रशस्तियाँ कुंभा की हैं: **कीर्ति स्तंभ** (चित्तौड़) और **कुंभलगढ़**। **रणकपुर** प्रशस्ति 1439 की है। **सबसे बड़ा** संस्कृत अभिलेख **राज प्रशस्ति** (राजसिंह, 1676) है।

💡 **ट्रिक:** "प्रतिहार" का अर्थ है द्वारपाल। घटियाला → "घाटी", यानी द्वार। द्वार पर द्वारपाल: प्रतिहार कक्कुक!

💡 **ट्रिक:** तीन "ब": बिजौलिया, भीलवाड़ा में, चौहानों को ब्राह्मण (वत्स गोत्र) बताता है।

💡 **ट्रिक:** तीन "राज": राज प्रशस्ति, राजसिंह के लिए, राजसमंद झील पर।

05 ताम्रपत्र एवं सिक्के

† विषय-सूची

ताम्रपत्र

- ★ भूमि-दान ताँबे की पट्टिकाओं पर खुदवाए जाते थे, क्योंकि ताँबा काराज से अधिक टिकाऊ है। ताम्रपत्र में शासक, दान पाने वाले, भूमि, दान का कारण और तिथि का उल्लेख होता है।
- प्रारंभिक ताम्रपत्र संस्कृत में हैं; बाद के स्थानीय बोलियों में।

ताम्रपत्र	समय	विषय
धुलेव	679 ई.	महाराजा भेटी द्वारा भट्टिनाग ब्राह्मण को उब्बरक गाँव का दान
आहड़	1206 ई.	गुजरात के चालुक्यों (मूलराज से भीमदेव द्वितीय तक) की वंशावली; आहड़ पर भीमदेव द्वितीय का अधिकार
खेरोदा	1437 ई.	कुंभा द्वारा एकलिंगजी मंदिर को भूमि-दान; तत्कालीन धर्म, व्यापार मार्ग और मुद्रा
चीकली (डूंगरपुर)	1483 ई.	कर-व्यवस्था; वागड़ी बोली में
पुर (भीलवाड़ा)	1535 ई.	चित्तौड़ में जौहर के समय रानी कर्णावती (हाड़ी रानी) द्वारा दिया गया दान

सिक्के

- ★ सिक्कों के अध्ययन को मुद्राशास्त्र (न्यूमिस्मेटिक्स) कहते हैं। राजपूताना के सिक्कों पर डब्ल्यू.डब्ल्यू. वेब की पुस्तक *द करेंसीज़ ऑफ़ द हिंदू स्टेट्स ऑफ़ राजपूताना (1893)* प्रमुख है।
- ★ नगर (टोंक): कार्लाइल को मालव जनपद के लगभग 6,000 ताँबे के सिक्के मिले (1871)। नगर मालवों की राजधानी थी।
- ★ रैढ़ (टोंक): चाँदी के लगभग 3,075 आहत (पंचमार्क) सिक्के, जो राज्य में ऐसे सिक्कों का सबसे बड़ा भंडार है।
- ★ बयाना (नगलाछैल, भरतपुर): गुप्तकालीन लगभग 1,800 स्वर्ण सिक्के, जो भारत में गुप्त सिक्कों की सबसे बड़ी निधि है। अधिकतर सिक्के चंद्रगुप्त द्वितीय के हैं।
- प्रतिहार (मिहिरभोज) के सिक्कों पर "श्रीमद् आदिवराह" अंकित है। ये हनुमानगढ़, नागौर और अजमेर से मिले हैं।
- गधिया सिक्के (10वीं-11वीं शताब्दी) ससैनियन शैली के भदे ताँबे या चाँदी के सिक्के थे।
- ★ आहत (पंचमार्क) सिक्के राजस्थान में मिले सबसे प्राचीन सिक्के हैं। ये बैराठ, नगर, नगरी, नोह, सांभर और रैढ़ से मिले हैं।
- इंडो-ससैनियन सिक्के 5वीं शताब्दी के बाद हूणों के आगमन का संकेत देते हैं।
- ★ चौहान राजा अजयराज ने "अजयप्रिय द्रम्म" चलाए, जिन पर उनकी रानी सोमलदेवी का नाम अंकित था।
- पृथ्वीराज चौहान के एक सिक्के पर एक ओर उनका नाम और दूसरी ओर मुहम्मद बिन साम (गोरी) का नाम है।
- पुराने अभिलेखों में मुद्राओं के नाम: द्रम्म, रूपक, विंशोपक, दीनार।
- चित्तौड़ विजय (1568) के बाद **अकबर** ने मेवाड़ में "सिक्का एलची" चलाया।

रियासत	सिक्का
जयपुर	झाड़शाही (छह टहनियों वाले झाड़ का चिह्न); माधोसिंह का रुपया "हाली" कहलाया
जोधपुर	विजयशाही; ढब्बूशाही (ताँबा); सोजत टकसाल के "लल्लूलिया" सिक्के
कुचामन (मारवाड़)	"इकतीसदा" या कुचामनिया रुपया (शाह आलम द्वितीय के 31वें शासन-वर्ष का अंकन)
बीकानेर	गजशाही, आलमशाही; 1893 से चाँदी के सिक्के, जिन पर एक ओर महारानी विक्टोरिया का चेहरा और "विक्टोरिया एम्प्रेस", दूसरी ओर नागरी व उर्दू में गंगासिंह का नाम
मेवाड़	चाँदोड़ी (सोना, स्वरूप सिंह), स्वरूपशाही; ताँबे के ढींगला, भिलाड़ी, त्रिशूलिया, भींडरिया, नाथद्वारिया
सलूबर	पद्मशाही (ताँबा)
शाहपुरा	ग्यारसदा (सोना व चाँदी), माधोशाही (ताँबा)
जैसलमेर	अखैशाही (महारावल अखैसिंह, 1756); डोडिया (ताँबा); पहले मुगल मुहम्मदशाही
अलवर	रावशाही (राजगढ़ टकसाल)
धौलपुर	तमंचाशाही (तमंचे का चिह्न)
करौली	माणकशाही
प्रतापगढ़ / बाँसवाड़ा	सलीमशाही; बाँसवाड़ा का अपना लक्ष्मणशाही (1870)
झालावाड़	मदनशाही
ब्रिटिश काल	कलदार (चाँदी का रुपया)

पिछला प्रश्न 6 · RPSC तृतीय श्रेणी शिक्षक परीक्षा 2009 · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

झाड़शाही सिक्का किस रियासत में प्रचलित था?

- A. जोधपुर
B. कोटा
C. मेवाड़
D. जयपुर

ट्रिक: धौलपुर = चंबल के डाकू। डाकू के हाथ में तमंचा, और धौलपुर के सिक्के पर भी तमंचा!

ट्रिक: अलवर के शासक "राव राजा" कहलाते थे। राव राजा → रावशाही।

ट्रिक: नाम का खेल! झाड़शाही = जयपुर ("ज-झ")। विजयशाही = जोधपुर के महाराजा विजयसिंह। अखैशाही = जैसलमेर के महारावल अखैसिंह।

06 स्मारक, मूर्तिकला एवं चित्रकला स्रोत के रूप में

† विषय-सूची

- ★ शीतलेश्वर महादेव मंदिर, झालरापाटन (689 ई.) राजस्थान का सबसे प्राचीन तिथियुक्त मंदिर है।
- जगत शिरोमणि मंदिर, आमेर: मानसिंह की रानी कनकावती ने इसे अपने पुत्र जगतसिंह की स्मृति में बनवाया। यह राजपूत-मुगल शैली का उत्तम उदाहरण है, और इसकी कृष्ण-मूर्ति को मीराबाई द्वारा पूजित माना जाता है।
- ★ विजय स्तंभ (चित्तौड़) को देवताओं, नर्तकियों और वाद्यों की मूर्तियों के कारण "भारतीय मूर्तिकला का संग्रहालय (विश्वकोश)" कहा जाता है।
- मूर्तियों से धर्म, वेशभूषा, नृत्य और संगीत की जानकारी मिलती है। दुर्ग, मंदिर और बावड़ियाँ समृद्धि और तकनीक दर्शाती हैं।

- शैलचित्र, जिनमें अधिकतर आखेट के दृश्य हैं, यहाँ मिले हैं:
 - आलनिया (कोटा), कन्याडह (बारां), गराड़दा (बूंदी), बैराठ, सोहनपुरा (सीकर), सीतामाता (प्रतापगढ़)
 - बूंदी की चंबल और छाजा नदियों की घाटियाँ
- सचित्र ग्रंथ **जिनभद्र सूरि ज्ञान भंडार, जैसलमेर** में सुरक्षित हैं, जैसे *ओघनिर्युक्ति वृत्ति* और *दशवैकालिक सूत्र चूर्णी*
- चित्र-शैलियाँ अपने दरबारों की रुचि दिखाती हैं: बूंदी (प्रकृति), कोटा (आखेट), किशनगढ़ (नारी-सौंदर्य, बणी-ठणी), नाथद्वारा (पिछवाई)।

07 अभिलेखागारीय स्रोत

† विषय-सूची

- ★ **अभिलेखागारीय स्रोत वे लिखित दस्तावेज़ हैं जो रियासतों ने सँभालकर रखे: फ़रमान, पत्र, बहियाँ, पट्टे, फ़ाइलें और रिपोर्टें। ये फ़ारसी, राजस्थानी/हिंदी और अंग्रेज़ी में हैं।**
- दस्तावेज़ सुरक्षित रखने की मुगल परंपरा राजस्थान में भी आई। किसी राजपूत रियासत में अभिलेख रखने की शुरुआत का श्रेय मारवाड़ के **राव मालदेव** को दिया जाता है।
- ★ **ये राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर और राष्ट्रीय अभिलेखागार, दिल्ली में सुरक्षित हैं। डॉ. वी.एस. भटनागर के अनुसार जयपुर के रिकॉर्ड सबसे समृद्ध हैं।**

दस्तावेज़	अर्थ
फ़रमान	शासकों, शहज़ादों और अमीरों के लिए बादशाह का आदेश
मंसूर	बादशाह की ओर से शहज़ादे द्वारा जारी आदेश
निशान	बेगम या शहज़ादे, यानी बादशाह के अलावा शाही परिवार के सदस्य, का पत्र
अर्ज़दाश्त	बादशाह या शासक को दिया गया प्रार्थना-पत्र
हस्तुल हुक्म	बादशाह के आदेश पर वज़ीर द्वारा लिखा गया आदेश
रुक्का / अहकाम	बादशाह द्वारा अपने सचिव को लिखवाए गए नोट
सनद	अधिकार या नियुक्ति प्रदान करने वाला पत्र
अख़बारात	मुगल दरबार की दैनिक सूचनाएँ
वकील रिपोर्ट	मुगल दरबार में शासक के प्रतिनिधि (वकील) की रिपोर्ट

रिकॉर्ड	अर्थ
ख़रीता	एक शासक द्वारा दूसरे शासक को लिखा पत्र (संग्रह: "खुतूत-ए-महाराजगान", जयपुर)
परवाना	शासक द्वारा अपने अधिकारियों को दिया गया आदेश
पट्टा	भूमि या जागीर का अनुदान-पत्र
स्याह हज़ूर (जयपुर)	राजपरिवार का दैनिक खर्च
दस्तूर कौमवार (जयपुर)	अधिकारियों के नाम, जाति, पद और इनाम; राज्य की आय-व्यय
हक़ीक़त बही (जोधपुर)	शासक की दिनचर्या
हुकूमत री बही (जोधपुर)	शासकीय आदेशों की नकल; जसवंत सिंह का काल और मुगल उत्तराधिकार युद्ध; दूसरी सबसे पुरानी बही
कमठाणा बही	निर्माण कार्य
कागद बही (बीकानेर)	व्यापार मार्ग और वाणिज्यिक कर
जमाबंदी (कोटा)	राजस्व: चुंगी और वन आय
दोवर्की (कोटा)	दैनिक प्रशासन, युद्ध-व्यय, घायलों का उपचार

- अंग्रेज़ी रिकॉर्ड में राजपूताना एजेंसी रिकॉर्ड, फ़ॉरेन एंड पॉलिटिकल डिपार्टमेंट की फ़ाइलें और दौरा-रिपोर्टें आती हैं।
- प्रमुख शोध संस्थान: प्रताप शोध प्रतिष्ठान (उदयपुर), राजस्थानी शोध संस्थान (चौपासनी, जोधपुर), अगरचंद नाहटा संग्रह (बीकानेर), नटनागर शोध संस्थान (सीतामऊ, मध्य प्रदेश)।
- जोधपुर की **सनद परवाना बहियाँ** महाराजा विजयसिंह के काल की हैं, और इनमें सामाजिक अपराधों व दंड का विवरण है।

संग्रहालय एवं पुस्तकालय

- ★ **अल्बर्ट हॉल, जयपुर राजस्थान का सबसे पुराना संग्रहालय है। रामसिंह द्वितीय के समय 1876 में इसकी नींव रखी गई, स्विटन जैकब ने इसका नक्शा बनाया, और 1887 में यह खुला।**
- पांडुलिपि संग्रह:
 - पोथीखाना, जयपुर (सिटी पैलेस, 1952)
 - पुस्तक प्रकाश, जोधपुर
 - सरस्वती भंडार, उदयपुर
 - सरस्वती पुस्तकालय, फ़तेहपुर (सीकर)
 - जिनभद्र सूरि ज्ञान भंडार, जैसलमेर

परीक्षा की चूक

सबसे पुरानी बही राणा राजसिंह (मेवाड़) के काल की है, और दूसरी सबसे पुरानी जोधपुर हुकूमत की बही। निशान बेगम या शहज़ादे का होता है, फ़रमान स्वयं बादशाह का।

💡 **ट्रिक:** राजसिंह = "रिकॉर्ड वाले राजा": पत्थर पर सबसे बड़ा रिकॉर्ड (राज प्रशस्ति) भी, और कागज़ पर सबसे पुराना (बही) भी।

08 साहित्यिक स्रोत

† विषय-सूची

संस्कृत साहित्य

ग्रंथ	रचयिता	विषय
पृथ्वीराज विजय	जयानक (पृथ्वीराज तृतीय के दरबारी कवि)	अजमेर के चौहान; तराइन का पहला युद्ध
हम्मीर महाकाव्य	नयनचंद्र सूरि	रणथंभौर के हम्मीर और अलाउद्दीन का आक्रमण; चौहानों को सूर्यवंशी बताया
ललित विग्रहराज (नाटक)	सोमदेव	अजमेर के विग्रहराज चतुर्थ (बीसलदेव)
राजवल्लभ, वास्तुसार, रूपमंडन	मंडन (कुंभा के शिल्पी)	नगर, दुर्ग, महल और मंदिर का वास्तु
एकलिंग महात्म्य	कान्हा व्यास	गुहिलों की वंशावली
अमरकाव्य वंशावली	रणछोड़ भट्ट	मेवाड़ का इतिहास
प्रबंध चिंतामणि	मेरुतुंग	पश्चिमी भारत के राजा (जैन ग्रंथ)

राजस्थानी साहित्य

★ रचनाओं के प्रकार:

- ख्यात: दरबारी इतिहासकारों द्वारा लिखा शासकों के कार्यों का राजकीय इतिवृत्त
- रासो: राजा की वीरता और युद्धों पर वीर काव्य
- प्रकाश या विलास: किसी एक शासक या वंश पर रचना
- बात: कथा
- विगत: आँकड़ों सहित विवरण
- वचनिका, वेलि और वंशावली

★ जोधपुर के जसवंत सिंह के दीवान मुहणोत नैणसी ने *नैणसी री ख्यात* और *मारवाड़ रा परगना री विगत* लिखी। मुंशी देवीप्रसाद ने उन्हें "राजपूताने का अबुल फ़ज़ल" कहा।

- चंदबरदाई ने *पृथ्वीराज रासो* लिखा, जिसमें राजपूतों की अग्रिकुंड से उत्पत्ति बताई गई है। **नरपति नाल्ह** ने *बीसलदेव रासो*, **दलपत विजय** ने *खुमाण रासो*, और **डूंगरसी** ने *शत्रुसाल रासो* लिखा।
- **बख़्तराम शाह** ने कछवाहों और जयपुर की स्थापना पर *बुद्धि विलास* लिखा।
- **शिवदास गाडण** ने *अचलदास खीची री वचनिका*, और **पद्मनाभ** ने जालोर के कान्हड़देव पर *कान्हड़दे प्रबंध* लिखा।
- **पृथ्वीराज राठौड़** ने डिंगल में *वेलि क्रिसन रुकमणी री* लिखी। दुरसा आढ़ा ने इसे "पाँचवाँ वेद" कहा, और टैसीटोरी ने इसके रचयिता को "डिंगल का होरेस" कहा।
- अन्य ख्यातें: *बांकीदास री ख्यात*, *दयालदास री ख्यात* (बीकानेर), *मुंडियार री ख्यात* (मारवाड़ के राठौड़ और मुगल)।
- बूंदी के राजकवि **सूर्यमल्ल मीसण** (जन्म हरणा, बूंदी) ने चार खंडों का *वंश भास्कर* और *वीर सतसई* लिखीं। **कविराजा श्यामलदास** ने महाराणा सज्जनसिंह के लिए मेवाड़ का इतिहास *वीर विनोद* लिखा।

फ़ारसी साहित्य

ग्रंथ	रचयिता	उपयोगिता
<i>ताज-उल-मासिर</i>	हसन निज़ामी	गोरी और ऐबक के अभियान
<i>तबक़ात-ए-नासिरी</i>	मिनहाज-उस-सिराज	तराइन के युद्ध
<i>मिफ़्ताह-उल-फ़ुतूह</i> , <i>ख़ज़ाइन-उल-फ़ुतूह</i>	अमीर खुसरो	जलालुद्दीन और अलाउद्दीन खिलजी के राजस्थान अभियान (रणथंभौर, चित्तौड़)
<i>तारीख-ए-फ़िरोज़शाही</i>	ज़ियाउद्दीन बरनी	रणथंभौर पर अलाउद्दीन का आक्रमण
<i>तुजुक-ए-बाबरी</i>	बाबर	खानवा का युद्ध
<i>अकबरनामा</i> , <i>आइन-ए-अकबरी</i>	अबुल फ़ज़ल	अकबर और राजपूत (प्रताप के प्रति एकपक्षीय); राजस्थान का भूगोल और मुद्रा
<i>मुंतख़ब-उत-तवारीख़</i>	बदायूनी (हल्दीघाटी का प्रत्यक्षदर्शी)	हल्दीघाटी
<i>तुजुक-ए-जहाँगीरी</i>	जहाँगीर	1615 की मेवाड़-मुगल संधि
<i>फ़तूहात-ए-आलमगीरी</i>	ईश्वरदास नागर	औरंगज़ेब और राठौड़ों का संघर्ष

पिछला प्रश्न 7 • CET (स्नातक) 2022 • 131B

'फ़तूहात-ए-आलमगीरी' के लेखक कौन हैं?

- | | |
|---------------------|------------------|
| A. फिरोज़ शाह तुगलक | B. ईश्वरदास नागर |
| C. औरंगजेब | D. दारा शिकोह |

💡 टिप: दोनों की दो-दो किताबें! अबुल फ़ज़ल: अकबरनामा + आइन-ए-अकबरी। नैणसी: ख्यात + विगत।

09 राजस्थान के इतिहासकार

1 विषय-सूची

कर्नल जेम्स टॉड (1782–1835)

- ★ स्कॉटलैंड निवासी टॉड 1818 से पश्चिमी राजपूत राज्यों के पॉलिटिकल एजेंट (मुख्यालय उदयपुर) रहे। उनके गुरु यति ज्ञानचंद्र थे।
- ★ उन्होंने *एनाल्स एंड एंटीक्विटीज़ ऑफ़ राजस्थान* (भाग I 1829, भाग II 1832) और *ट्रैवल्स इन वेस्टर्न इंडिया* (1839, मृत्यु के बाद प्रकाशित और यति ज्ञानचंद्र को समर्पित) लिखीं। वे राजस्थान की सामंती (जागीरदारी) व्यवस्था पर लिखने वाले पहले अंग्रेज़ लेखक भी थे। उन्हें "राजस्थान के इतिहास का पितामह" कहा जाता है, और लोग उन्हें "घोड़े वाले बाबा" कहते थे।
- *एनाल्स* में राजस्थान का भूगोल, सामंत व्यवस्था, और मेवाड़, मारवाड़, बीकानेर, जैसलमेर, आमेर, बूंदी व कोटा का इतिहास है। टॉड ने संस्कृत, फ़ारसी और राजस्थानी स्रोतों का उपयोग किया।
- महाराणा भीमसिंह ने उनके सम्मान में बरसावाड़ा का नाम **टॉडगढ़** रखा। उनकी सलाह पर बूंदी सती प्रथा पर रोक लगाने वाली राजस्थान की पहली रियासत बनी (1822)।

एल.पी. टैसीटोरी (1887–1919)

- ★ इटली के उद्दिने निवासी भाषाविद् और पुरातत्ववेत्ता टैसीटोरी ने बीकानेर रियासत के संरक्षण में कार्य किया और बीकानेर में ही उनका निधन हुआ।
- उन्होंने *ए बार्डिक एंड हिस्टोरिकल सर्वे ऑफ़ राजपूताना* और *नोट्स ऑन द ग्रामर ऑफ़ द ओल्ड वेस्टर्न राजस्थानी* लिखीं। उन्होंने *वेलि क्रिसन रुकमणी री* और *राव जैतसी रो छंद* का संपादन किया, और उत्खनन से पहले ही कालीबंगा के महत्त्व को पहचाना।

अन्य

- ★ मराठों की सेवा में रहे आयरिश साहसी जॉर्ज थॉमस ने इस क्षेत्र को सबसे पहले "राजपूताना" कहा (1800)। यह शब्द विलियम फ्रैंकलिन की पुस्तक *मिलिट्री मेमॉयर्स ऑफ़ जॉर्ज थॉमस* (1805) में छपा।
- गौरीशंकर हीराचंद ओझा ने राजपूताने की रियासतों का इतिहास और भारतीय लिपिशाला की पहली पुस्तक *भारतीय प्राचीन लिपिमाला* लिखी। बड़ली अभिलेख भी उन्होंने खोजा।
- अन्य:
 - श्यामलदास (*वीर विनोद*), सूर्यमल्ल मीसण, बांकीदास और दयालदास
 - डॉ. दशरथ शर्मा (*अर्ली चौहान डायनेस्टीज़*) और डॉ. गोपीनाथ शर्मा
 - रीमा हूजा (*ए हिस्ट्री ऑफ़ राजस्थान*)

पिछला प्रश्न 8 · पटवारी 2025 · SPZ8 · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

"एनल्स एंड एंटीक्विटीज़ ऑफ़ राजस्थान" के लेखक का नाम बताइए।

- | | |
|---------------------|-------------------|
| A. डॉ. गौरीशंकर ओझा | B. बाबू रामप्रसाद |
| C. कर्नल जेम्स टॉड | D. ज्वाला सहाय |

पिछला प्रश्न 9 : राजस्थान पुलिस कांस्टेबल परीक्षा 2024 : 2 परीक्षाओं में पूछा गया

लेफ्टिनेंट कर्नल जेम्स टॉड ने अपना यात्रा-वृत्तांत 'ट्रैवल्स इन वेस्टर्न इंडिया' किसे समर्पित किया?

- A. लॉर्ड विलियम बेंटिंक
B. लॉर्ड मिंगो
C. विलियम हंटर ब्लेयर
D. यति ज्ञानचंद्र

परीक्षा की चूक

"राजपूताना" = जॉर्ज थॉमस (1800)। "राजस्थान" = जेम्स टॉड (1829)। "राजपूताने का अबुल फ़ज़ल" = मुहणोत नैणसी।

10 परीक्षा से पहले अंतिम पुनरावृत्ति

† विषय-सूची

- ★ सबसे प्राचीन अभिलेख: बड़ली (अजमेर, 443 ई.पू., प्राकृत)
- ★ सबसे प्राचीन संस्कृत + भागवत धर्म: घोसुंडी (चित्तौड़)
- ★ अशोक का अभिलेख: भाब्रू, बैराठ → कोलकाता
- ★ गुप्तकालीन यूप: विजयगढ़, बयाना (371 ई.)
- ★ बसंतगढ़ 625: राजजिल, "राजस्थानीयादित्य"
- ★ मानसरोवर 713: टॉड ने समुद्र में फेंका
- ★ बिजौलिया 1170: चौहान = वत्स गोत्रीय ब्राह्मण
- ★ रणकपुर 1439; कीर्ति स्तंभ 1460 (अत्रि, महेश)
- ★ राज प्रशस्ति 1676: सबसे बड़ा, 25 शिलाएँ, रणछोड़ भट्ट
- ★ सबसे प्राचीन फ़ारसी: अजमेर 1200 (अढ़ाई दिन का झोंपड़ा)
- ★ चित्तौड़ = खिज्राबाद (धाई बी पीर, 1325)
- ★ पुर ताम्रपत्र 1535: कर्णावती का जौहर
- ★ नगर: मालव सिक्के; बयाना: गुप्त स्वर्ण निधि; रैढ़: आहत सिक्के
- ★ सबसे प्राचीन तिथियुक्त मंदिर: शीतलेश्वर, झालरापाटन (689)
- ★ सबसे पुरानी बही: राणा राजसिंह; राज्य अभिलेखागार: बीकानेर
- ★ नैणसी = "राजपूताने का अबुल फ़ज़ल"
- ★ राजपूताना: जॉर्ज थॉमस 1800; राजस्थान: टॉड 1829
- ★ फ़ुतूहात-ए-आलमगीरी: ईश्वरदास नागर

★ याद रखने की ट्रिक

† विषय-सूची

बड़ली बनाम घोसुंडी: सबसे प्राचीन कौन, सबसे प्राचीन संस्कृत कौन?

बड़ली = सबसे "बड़ी" उम्र वाली। घोसुंडी = "गोविंद" (वासुदेव) की पूजा, इसलिए सबसे पुराना संस्कृत अभिलेख।

बड़ली 443 ई.पू. (प्राकृत) · घोसुंडी दूसरी शताब्दी ई.पू.

घटियाला अभिलेख किस वंश का है?

"प्रतिहार" का अर्थ है द्वारपाल। घटियाला → "घाटी", यानी द्वार। द्वार पर द्वारपाल: प्रतिहार कक्कुक!

घटियाला (861) → मंडोर का प्रतिहार कक्कुक

बिजौलिया अभिलेख: किसका इतिहास, और उन्हें क्या कहा गया?

तीन "ब": बिजौलिया, भीलवाड़ा में, चौहानों को ब्राह्मण (वत्स गोत्र) बताता है।

1170 · सांभर-अजमेर के चौहान · वत्स गोत्रीय ब्राह्मण

राज प्रशस्ति: किसकी, कहाँ?

तीन "राज": राज प्रशस्ति, राजसिंह के लिए, राजसमंद झील पर।

1676 · 25 शिलाएँ · रणछोड़ भट्ट

राजस्थान की सबसे पुरानी बही किसके काल की है?

राजसिंह = "रिकॉर्ड वाले राजा": पत्थर पर सबसे बड़ा रिकॉर्ड (राज प्रशस्ति) भी, और कागज़ पर सबसे पुराना (बही) भी।

राणा राजसिंह, मेवाड़

"तमंचाशाही" किस रियासत का सिक्का था?

धौलपुर = चंबल के डाकू। डाकू के हाथ में तमंचा, और धौलपुर के सिक्के पर भी तमंचा!

तमंचाशाही → धौलपुर

रावशाही सिक्के किस रियासत के थे?

अलवर के शासक "राव राजा" कहलाते थे। राव राजा → रावशाही।

रावशाही → अलवर (राजगढ़ टकसाल)

झाड़शाही, विजयशाही, अखैशाही: रियासतें मिलाइए।

नाम का खेल! झाड़शाही = जयपुर ("ज-झ")। विजयशाही = जोधपुर के महाराजा विजयसिंह। अखैशाही = जैसलमेर के महारावल अखैसिंह।

जयपुर · जोधपुर · जैसलमेर

नैणसी को "राजपूताने का अबुल फ़ज़ल" क्यों कहते हैं?

दोनों की दो-दो किताबें! अबुल फ़ज़ल: अकबरनामा + आइन-ए-अकबरी। नैणसी: ख्यात + विगत।

नैणसी री ख्यात · मारवाड़ रा परगना री विगत

राजपूताना या राजस्थान: पहले कौन?

सदी की शुरुआत "राजपूताना" से (जॉर्ज थॉमस, 1800); 29 साल बाद टॉड ने "राजस्थान" कहा।

राजपूताना 1800 · राजस्थान 1829

भ्रमित न हों

	सही	यह नहीं
राजस्थान का सबसे प्राचीन संस्कृत अभिलेख?	घोसुंडी चित्तौड़गढ़	बड़ली बड़ली पुराना है, पर प्राकृत में है।
इस क्षेत्र को सबसे पहले "राजपूताना" किसने कहा?	जॉर्ज थॉमस 1800	जेम्स टॉड टॉड ने 29 साल बाद "राजस्थान" नाम दिया।
कुंभा की 1460 की प्रशस्ति किस स्तंभ पर है?	विजय स्तंभ कुंभा ने बनवाया	जैन कीर्ति स्तंभ चूक: "कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति" विजय स्तंभ पर लगी है।
बेगम या शहज़ादे का पत्र कहलाता है —	निशान बादशाह के अलावा शाही परिवार का	फ़रमान बादशाह फ़रमान जारी करता था; बेगम और शहज़ादे निशान।

	सही	यह नहीं
रानी कर्णावती के जौहर का उल्लेख किस ताम्रपत्र में है?	पुर भीलवाड़ा - 1535	चीकली चीकली ताम्रपत्र करों से संबंधित है, वागड़ी में।
बैराठ की भीमजी की डूंगरी का अशोक अभिलेख किसने खोजा?	कार्लाइल राजस्थान का पहला सर्वेक्षण	कैप्टन बर्ट बर्ट ने बैराठ का दूसरा, भाबू अभिलेख खोजा।

सुमेलित कीजिए 1: सिक्का → रियासत

1. झाड़शाही		A. झालावाड़
2. विजयशाही		B. अलवर
3. अखैशाही		C. धौलपुर
4. मदनशाही		D. जयपुर
5. रावशाही		E. जोधपुर
6. तमंचाशाही		F. जैसलमेर

सुमेलित कीजिए 2: अभिलेख → वंश

1. घटियाला		A. सांभर-अजमेर के चौहान
2. बिजौलिया		B. कछवाहा
3. चीरवा		C. मेवाड़ के गुहिल
4. बड़वा यूप		D. मंडोर के प्रतिहार
5. आमेर (1612)		E. मौखरी

संख्या की कड़ी

443 ई.पू.

बड़ली अशोक (तीसरी सदी ई.पू.) से भी पुराना:
याद रखने लायक अकेला "400 ई.पू." वाला
अभिलेख।

1200

तराइन (1192) के आठ साल बाद गोरी के लोगों
ने अजमेर में मस्जिद बनाई: पहला फ़ारसी
अभिलेख।

1460

कुंभा का "दोहरा" वर्ष: दो प्रशस्तियाँ, कीर्ति
स्तंभ (चित्तौड़) और कुंभलगढ़।

1800 • 1829

सदी की शुरुआत में राजपूताना (थॉमस); फिर
राजस्थान (टॉड)।

1 • 2

बहियों की रैंकिंग: नंबर 1 सबसे पुरानी = मेवाड़
(राजसिंह); नंबर 2 = जोधपुर हुकूमत री बही।

अध्याय टेस्ट

† विषय-सूची

1. स्कूल व्याख्याता एवं कोच परीक्षा (31.05.2026)

भीमजी की डूंगरी स्थित अशोक के अभिलेख की खोज किसने की?

- | | |
|----------------------|----------------|
| A. अलेक्जेंडर कनिंघम | B. रॉबर्ट बर्ट |
| C. दयाराम साहनी | D. कार्लाइल |

2. प्रहरी परीक्षा 2024 (पारी 2)**चार खंडों वाला इतिहास-ग्रंथ 'वंश भास्कर' किसने लिखा?**

- | | |
|------------------------|----------------------|
| A. सूर्यमल्ल मीसण | B. कविराजा श्यामलदास |
| C. गोविंद गंगाधर पांडे | D. दशोरा दुर्लभराम |

3. जमादार ग्रेड II परीक्षा 2025**कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति किसने लिखी?**

- | | |
|------------------|----------|
| A. अत्रि और महेश | B. जयानक |
| C. चंदबरदाई | D. व्यास |

4. कनिष्ठ अनुदेशक परीक्षा 2024**1637 ई. का शाहजहाँनी मस्जिद अभिलेख राजस्थान में कहाँ स्थित है?**

- | | |
|----------|----------|
| A. अलवर | B. जयपुर |
| C. अजमेर | D. नागौर |

5. RAS/RTS प्रारंभिक परीक्षा 2025**निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?**

- | | |
|------------------------------|------------------------------|
| A. पृथ्वीराज रासो - चंदबरदाई | B. बीसलदेव रासो - नरपति |
| C. खुमाण रासो - करणीदान | D. शत्रुसाल रासो - डूंगरसिंह |

6. राजस्थान पुलिस कांस्टेबल परीक्षा 2024**'बुद्धि विलास' पुस्तक के लेखक कौन हैं?**

- | | |
|---------------|----------------|
| A. किसना आढ़ा | B. बख्तराम शाह |
| C. बांकीदास | D. नरोत्तम |

7. CET (10+2) परीक्षा 2024 (पारी I)**राजस्थान का सबसे पुराना संग्रहालय किसे माना जाता है?**

- | | |
|----------------|-------------------|
| A. अल्बर्ट हॉल | B. क्रिस्टल गैलरी |
| C. आहड़ | D. आम्रपाली |

8. उच्च न्यायालय LDC परीक्षा 2022**'राजस्थान' शब्द का प्रयोग सबसे पहले किसने किया?**

- | | |
|----------------|--------------------|
| A. जॉर्ज थॉमसन | B. कर्नल जेम्स टॉड |
| C. जी.एस. ओझा | D. वी.ए. स्मिथ |

9. कनिष्ठ अनुदेशक परीक्षा 2022 - 2 परीक्षाओं में पूछा गया**बिजौलिया अभिलेख की तिथि क्या है?**

- | | |
|------------|------------|
| A. 1676 ई. | B. 1170 ई. |
| C. 953 ई. | D. 1273 ई. |

10. कनिष्ठ अनुदेशक परीक्षा 2024 · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

'नैणसी री ख्यात' के लेखक मुहणोत नैणसी किस शासक के दीवान थे?

- | | |
|---------------------|----------------|
| A. जसवंत सिंह प्रथम | B. राव जोधा |
| C. महाराणा कुंभा | D. सवाई जयसिंह |

11. RAS/RTS प्रारंभिक परीक्षा 2015

"मुंडियार री ख्यात" का विषय क्या है?

- | | |
|----------------------|---------------------|
| A. मारवाड़ के राठौड़ | B. जालोर के चौहान |
| C. मेवाड़ के राठौड़ | D. मारवाड़ के चौहान |

12. कंप्यूटर परीक्षा 2018 · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

राजस्थान के इतिहास का 'जनक' (पितामह) किसे कहा जाता है?

- | | |
|--------------|-----------------|
| A. कर्नल टॉड | B. जी.एन. शर्मा |
| C. श्यामलदास | D. जी.एच. ओझा |

13. वनरक्षक परीक्षा (11.12.2022) · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

किस ताम्रपत्र से रानी कर्मावती (कर्णावती) के जौहर की जानकारी मिलती है?

- | | |
|--------------------|---------------------|
| A. पुर ताम्रपत्र | B. खेरोदा ताम्रपत्र |
| C. चीकली ताम्रपत्र | D. आहड़ ताम्रपत्र |

14. मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा परीक्षा 2016

किसानों से वसूली जाने वाली विभिन्न लाग-बाग का उल्लेख किस स्रोत में है?

- | | |
|------------------------------|-----------------------------|
| A. पुर ताम्रपत्र, 1535 ई. | B. चीकली ताम्रपत्र, 1483 ई. |
| C. खेरोदा ताम्रपत्र, 1437 ई. | D. आहड़ ताम्रपत्र, 1206 ई. |

15. स्कूल व्याख्याता एवं कोच परीक्षा (10.06.2026) · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

रानी सोमलदेवी का नाम, जो निम्नलिखित में से किस शासक से संबंधित थीं, सिक्कों पर अंकित मिला?

- | | |
|---------------------|--------------------|
| A. विग्रहराज चतुर्थ | B. पृथ्वीराज तृतीय |
| C. अजयराज | D. सोमेश्वर |

16. क्यूरेटर परीक्षा (29.04.2024)

5वीं शताब्दी ई. के बाद राजस्थान में हूणों के आगमन का संकेत देने वाले सिक्के पहचानिए।

- | | |
|-----------------|---------------|
| A. इंडो-ससैनियन | B. स्वरूपशाही |
| C. आहत | D. झाड़शाही |

17. कनिष्ठ अनुदेशक परीक्षा (10.09.2022) · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म (सिक्का — प्रचलन क्षेत्र) सही सुमेलित नहीं है?

- | | |
|------------------------|----------------------|
| A. स्वरूपशाही - मेवाड़ | B. मदनशाही - बीकानेर |
| C. विजयशाही - जोधपुर | D. झाड़शाही - जयपुर |

18. RAS/RTS प्रारंभिक परीक्षा 2013

राजपूताने की किस रियासत के सिक्कों पर एक ओर महारानी विक्टोरिया का चेहरा व अंग्रेज़ी में "विक्टोरिया एम्प्रेस" और दूसरी ओर नागरी व उर्दू में महाराजा का नाम अंकित था?

- | | |
|------------|-----------|
| A. जोधपुर | B. जयपुर |
| C. बीकानेर | D. उदयपुर |

19. पटवारी परीक्षा 2011

'अखैशाही' सिक्के किस रियासत में प्रचलित थे?

- | | |
|-----------|------------|
| A. अलवर | B. बीकानेर |
| C. मेवाड़ | D. जैसलमेर |

20. कनिष्ठ अनुदेशक परीक्षा (10.09.2022)

'रावशाही' सिक्के किस रियासत से संबंधित हैं?

- | | |
|----------|-----------|
| A. करौली | B. भरतपुर |
| C. अलवर | D. धौलपुर |

21. पटवारी मुख्य परीक्षा 2016

राजस्थान की किस टकसाल में 'इकतीसदा' रुपया ढाला गया?

- | | |
|-----------|-----------|
| A. कुचामन | B. मेड़ता |
| C. जोधपुर | D. सोजत |

22. कनिष्ठ अभियंता (डिग्री) परीक्षा 2020

चित्तौड़ विजय के बाद मेवाड़ में 'एलची' सिक्का किस मुगल शासक ने चलाया?

- | | |
|------------|------------|
| A. बाबर | B. अकबर |
| C. जहाँगीर | D. शाहजहाँ |

23. कृषि अधिकारी परीक्षा (19.01.2021) · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

बिजौलिया अभिलेख के अनुसार चौहान वंश के किस शासक ने सांभर झील बनवाई?

- | | |
|---------------|------------|
| A. अजयराज | B. वासुदेव |
| C. कान्हड़देव | D. अमोराज |

24. अन्वेषक परीक्षा (27.12.2020) · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

किस अभिलेख में चौहानों को 'वत्स गोत्रीय' ब्राह्मण बताया गया है?

- | | |
|--------------------|---------------------|
| A. चीरवा अभिलेख | B. शृंगी ऋषि अभिलेख |
| C. बिजौलिया अभिलेख | D. अपराजित अभिलेख |

25. वरिष्ठ अध्यापक परीक्षा (30.07.2023, पारी I) · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

घटियाला अभिलेख मंडोर शाखा के किस प्रतिहार शासक से संबंधित है?

- | | |
|-----------|------------|
| A. कक्कुक | B. बाउक |
| C. शीलुक | D. राज्जिल |

26. सहायक आचार्य परीक्षा 2022 · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

घटियाला अभिलेख के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

- | | |
|--|--|
| A. इसमें प्रतिहार शासक हरिश्चंद्र और उसके वंशजों का विवरण है। | B. इसमें 'मग' जाति के ब्राह्मणों का उल्लेख है। |
| C. इसमें नागभट्ट प्रथम द्वारा राजधानी मंडोर ले जाने का विवरण है। | D. यह अभिलेख चार अभिलेखों का संग्रह है। |

27. कनिष्ठ अभियंता (कृषि) परीक्षा (10.09.2022) · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

बड़वा गाँव से मिले यूप स्तंभ अभिलेख किस वंश/कुल के हैं?

- | | |
|----------|-----------------|
| A. मौखरी | B. प्रतिहार |
| C. यौधेय | D. अर्जुनायन गण |

28. कनिष्ठ अभियंता (डिग्री) परीक्षा (13.12.2020)

निम्नलिखित में से कौन-सा अभिलेख चित्तौड़ के प्रारंभिक इतिहास पर प्रकाश डालता है?

- | | |
|-------------------|--------------------|
| A. मानमोरी अभिलेख | B. अचलेश्वर अभिलेख |
| C. सामोली अभिलेख | D. बिजौलिया अभिलेख |

29. प्रयोगशाला सहायक परीक्षा (30.06.2022)

17वीं शताब्दी की रचना 'राज प्रशस्ति महाकाव्य' के रचयिता कौन हैं?

- | | |
|----------------|---------------|
| A. गरीबदास | B. दुरसा आढ़ा |
| C. रणछोड़ भट्ट | D. केशवदास |

30. सहायक अधिकारी परीक्षा 2019

महाराणा कुंभा के समय का सबसे पहला ज्ञात अभिलेख (वि.सं. 1490) कहाँ से मिला?

- | | |
|---------------|---------------|
| A. माछा से | B. धुलेव से |
| C. सिंगोली से | D. पदराड़ा से |

31. वनरक्षक परीक्षा (06.11.2022) · 2 परीक्षाओं में पूछा गया

नाथ प्रशस्ति राजस्थान की किस रियासत से संबंधित है?

- | | |
|------------|------------|
| A. मारवाड़ | B. जयपुर |
| C. मेवाड़ | D. जैसलमेर |

32. अभ्यास प्रश्न (किसी प्रश्न-पत्र से नहीं)

राजस्थान का सबसे प्राचीन तिथियुक्त मंदिर कौन-सा है?

- | | |
|---------------------------|--------------------------------------|
| A. हर्षनाथ मंदिर, सीकर | B. शीतलेश्वर महादेव मंदिर, झालरापाटन |
| C. अंबिका माता मंदिर, जगत | D. ओसियाँ का सूर्य मंदिर |

33. अभ्यास प्रश्न (किसी प्रश्न-पत्र से नहीं)

निम्नलिखित में से कौन-सा दस्तावेज़ स्वयं बादशाह के बजाय बेगम या शहज़ादे द्वारा जारी किया जाता था?

- | | |
|---------------|-----------------|
| A. फ़रमान | B. निशान |
| C. अर्ज़दाश्त | D. हस्तुल हुक्म |

34. अभ्यास प्रश्न (किसी प्रश्न-पत्र से नहीं)

मुहणोत नैणसी को 'राजपूताने का अबुल फ़ज़ल' किसने कहा?

- | | |
|---------------------|--------------------|
| A. मुंशी देवीप्रसाद | B. जेम्स टॉड |
| C. गौ.ही. ओझा | D. एल.पी. टैसीटोरी |

35. अभ्यास प्रश्न (किसी प्रश्न-पत्र से नहीं)

दूसरी शताब्दी ई.पू. के घोसुंडी अभिलेख में किसकी पूजा का उल्लेख है?

- | | |
|-------------------|-----------------------|
| A. शिव और पार्वती | B. संकर्षण और वासुदेव |
| C. सूर्य और इंद्र | D. बुद्ध और संघ |

मुख्य परीक्षा अभ्यास

1. राजस्थान के इतिहास के स्रोत के रूप में अभिलेखों के महत्त्व की विवेचना कीजिए। (10 अंक)
2. राजस्थान के इतिहास-लेखन में कर्नल जेम्स टॉड के योगदान का मूल्यांकन कीजिए। (10 अंक)
3. अभिलेखागारीय स्रोत क्या हैं? राजपूत रियासतों के प्रमुख रिकॉर्डों का वर्णन कीजिए। (5 अंक)

✂ फ़्लैशकार्ड

† विषय-सूची

कार्टे और मोड़ें: ऊपर प्रश्न, नीचे उत्तर

राजस्थान का सबसे प्राचीन अभिलेख यहाँ से मोड़ें बड़ली (अजमेर), 443 ई.पू., प्राकृत	सबसे प्राचीन संस्कृत अभिलेख; भागवत धर्म का प्रमाण यहाँ से मोड़ें घोसुंडी (चित्तौड़गढ़)
बड़ली अभिलेख किसने खोजा? यहाँ से मोड़ें गौ.ही. ओझा (1912), भिलोत माता मंदिर	अशोक का भाब्रू अभिलेख कहाँ मिला? यहाँ से मोड़ें बैराठ; अब कोलकाता में
मौखरी राजाओं के सबसे प्राचीन अभिलेख यहाँ से मोड़ें बड़वा यूप स्तंभ (कोटा, 238 ई.)	वारिक विष्णुवर्धन का गुप्तकालीन यूप यहाँ से मोड़ें विजयगढ़, बयाना (371 ई.)
राजिल और 'राजस्थानीयादित्य' पद वाला अभिलेख यहाँ से मोड़ें बसंतगढ़ (सिरोही, 625 ई.)	टॉड ने किस अभिलेख को समुद्र में फेंका? यहाँ से मोड़ें मानसरोवर / मानमोरी (713 ई.)
घटियाला अभिलेख (861) किससे संबंधित है? यहाँ से मोड़ें मंडोर के कक्कुक प्रतिहार	बिजौलिया अभिलेख: तिथि और वंश यहाँ से मोड़ें 1170 ई.; चौहान (सोमेश्वर)

चौहानों को वत्स गोत्रीय ब्राह्मण किस अभिलेख में कहा गया? यहाँ से मोड़ें बिजौलिया	चीरवा अभिलेख (1273) किसके बारे में है? यहाँ से मोड़ें मेवाड़ के गुहिल शासक
कुंभा के काल का सबसे पहला अभिलेख यहाँ से मोड़ें पदराड़ा (1433)	कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति के रचयिता यहाँ से मोड़ें अत्रि और उनके पुत्र महेश
भारत का सबसे बड़ा संस्कृत अभिलेख यहाँ से मोड़ें राज प्रशस्ति, राजसमंद (25 शिलाएँ)	राज प्रशस्ति के रचयिता यहाँ से मोड़ें रणछोड़ भट्ट तैलंग
राजस्थान का सबसे प्राचीन फ़ारसी अभिलेख यहाँ से मोड़ें अजमेर, 1200 ई. (अढ़ाई दिन का झोंपड़ा)	चित्तौड़ को 'खिज़्राबाद' कहने वाला अभिलेख यहाँ से मोड़ें धाई बी पीर की दरगाह (1325)
कर्णावती के जौहर से संबंधित ताम्रपत्र यहाँ से मोड़ें पुर (1535)	करों से संबंधित, वागड़ी में लिखा ताम्रपत्र यहाँ से मोड़ें चीकली (डूंगरपुर, 1483)

गुप्त सिक्कों की सबसे बड़ी निधि यहाँ से मोड़ें बयाना (नगलाछैल, भरतपुर)	सिक्कों पर नाम वाली चौहान रानी यहाँ से मोड़ें सोमलदेवी (अजयराज की रानी)
झाड़शाही / विजयशाही / मदनशाही यहाँ से मोड़ें जयपुर / जोधपुर / झालावाड़	अखैशाही / रावशाही / तमंचाशाही यहाँ से मोड़ें जैसलमेर / अलवर / धौलपुर
राजस्थान की सबसे पुरानी बही यहाँ से मोड़ें राणा राजसिंह (मेवाड़) के काल की	राजस्थान राज्य अभिलेखागार कहाँ है? यहाँ से मोड़ें बीकानेर
'राजपूताने का अबुल फ़ज़ल' यहाँ से मोड़ें मुहणोत नैणसी	'राजपूताना' / 'राजस्थान' शब्द सबसे पहले यहाँ से मोड़ें जॉर्ज थॉमस (1800) / जेम्स टॉड (1829)
फुतूहात-ए-आलमगीरी के लेखक यहाँ से मोड़ें ईश्वरदास नागर	राजस्थान का सबसे पुराना संग्रहालय यहाँ से मोड़ें अल्बर्ट हॉल, जयपुर

✓ उत्तर-कुंजी

† विषय-सूची

नोट्स के बीच के प्रश्न

1. **B** — जॉर्ज थॉमस जॉर्ज थॉमस ने 1800 ई. में इस क्षेत्र के लिए सबसे पहले "राजपूताना" नाम का प्रयोग किया। कर्नल जेम्स टॉड ने 1829 में अपनी पुस्तक "एनल्स एंड एंटीक्विटीज़ ऑफ राजस्थान" में "रायथान/राजस्थान" शब्द प्रयोग किया।
2. **D** — घोसुण्डी अभिलेख चित्तौड़गढ़ के घोसुण्डी अभिलेख (दूसरी सदी ई.पू.) में संकर्षण और वासुदेव की पूजा का उल्लेख है, जो राजस्थान में भागवत (वैष्णव) धर्म के प्रसार का प्रमाण है। बेसनगर अभिलेख मध्य प्रदेश में है।
3. **C** — बैराठ बैराठ (विराटनगर) की बीजक पहाड़ी से अशोक का भाबू शिलालेख मिला, जिसमें उसके बौद्ध धर्म अपनाने का उल्लेख है। यह अभिलेख अब कोलकाता के संग्रहालय में है।
4. **D** — गुप्त काल बयाना (भरतपुर) के विजयगढ़ दुर्ग में वरिक विष्णुवर्धन का विजय स्तम्भ (यूप स्तम्भ, 371-372 ई.) गुप्त काल का है। बयाना से गुप्तकालीन स्वर्ण मुद्राओं का बड़ा भंडार भी मिला था।
5. **C** — बिजौलिया अभिलेख बिजौलिया अभिलेख (1170) में प्राचीन नाम मिलते हैं: जाबालिपुर (जालोर), शाकंभरी (सांभर) और श्रीमाल (भीनमाल)।
6. **D** — जयपुर जयपुर के झाड़शाही सिक्के पर छह टहनियों वाले झाड़ का चिह्न था। जोधपुर का सिक्का विजयशाही था।
7. **B** — ईश्वरदास नागर "फतुहात-ए-आलमगीरी" ईश्वरदास नागर ने लिखी, जिसमें औरंगजेब के समय और राजपूतों (विशेषकर मारवाड़) के संघर्ष का वर्णन है।
8. **C** — कर्नल जेम्स टॉड कर्नल जेम्स टॉड (मेवाड़ में पॉलिटिकल एजेंट) ने 1829-32 में "एनल्स एंड एंटीक्विटीज़ ऑफ राजस्थान" लिखी; इसमें पहली बार "राजस्थान" शब्द का प्रयोग हुआ। टॉड को "राजस्थान के इतिहास का पितामह" कहा जाता है।
9. **D** — यति ज्ञानचंद्र टॉड ने ट्रेवल्स इन वेस्टर्न इंडिया (1839 में प्रकाशित) अपने जैन गुरु यति ज्ञानचंद्र को समर्पित की।

अध्याय टेस्ट

1. **D** — कार्लाइल बैराठ की भीमजी की डूंगरी के अशोक अभिलेख की खोज कार्लाइल ने की। बैराठ का दूसरा, भाबू अभिलेख, कैप्टन बर्ट को मिला था।
2. **A** — सूर्यमल्ल मीसण बूंदी के राजकवि सूर्यमल्ल मीसण ने वंश भास्कर और वीर सतसई लिखीं। श्यामलदास ने वीर विनोद लिखा।
3. **A** — अत्रि और महेश कीर्ति स्तंभ प्रशस्ति (1460) कवि अत्रि ने आरंभ की और उनके पुत्र महेश ने पूरी की। जयानक ने पृथ्वीराज विजय और चंदबरदाई ने पृथ्वीराज रासो लिखा।
4. **C** — अजमेर शाहजहाँनी मस्जिद का अभिलेख अजमेर दरगाह में है। इसमें राणा अमरसिंह के विरुद्ध अभियान के बाद खुर्रम द्वारा मस्जिद बनवाने का उल्लेख है।
5. **C** — खुमाण रासो - करणीदान खुमाण रासो दलपत विजय ने लिखा, करणीदान ने नहीं। बाकी तीनों युग्म सही हैं।
6. **B** — बख्तराम शाह बख्तराम शाह ने बुद्धि विलास लिखा, जिसमें जयपुर के कछवाहों और जयपुर नगर की स्थापना का वर्णन है।
7. **A** — अल्बर्ट हॉल जयपुर का अल्बर्ट हॉल, जिसकी नींव रामसिंह द्वितीय के समय 1876 में रखी गई, राजस्थान का सबसे पुराना संग्रहालय है।
8. **B** — कर्नल जेम्स टॉड कर्नल जेम्स टॉड ने "राजस्थान" शब्द का प्रयोग पहली बार एनाल्स एंड एंटीक्विटीज़ ऑफ राजस्थान (1829) में किया। जॉर्ज थॉमस ने इससे पहले "राजपूताना" (1800) शब्द प्रयोग किया था।
9. **B** — 1170 ई. बिजौलिया अभिलेख 1170 ई. का है, सोमेश्वर के शासनकाल का। 1676 राज प्रशस्ति और 1273 चीरवा अभिलेख की तिथि है।
10. **A** — जसवंत सिंह प्रथम नैणसी मारवाड़ के महाराजा जसवंत सिंह प्रथम के दीवान थे। उन्होंने नैणसी री ख्यात और मारवाड़ रा परगना री विगत लिखी।
11. **A** — मारवाड़ के राठौड़ मुंडियार के चारणों द्वारा रचित मुंडियार री ख्यात मारवाड़ के राठौड़ों और मुगलों से उनके संबंधों पर है।
12. **A** — कर्नल टॉड एनाल्स एंड एंटीक्विटीज़ ऑफ राजस्थान के लेखक कर्नल जेम्स टॉड को राजस्थान के इतिहास का जनक कहा जाता है।
13. **A** — पुर ताम्रपत्र पुर ताम्रपत्र (1535, भीलवाड़ा) में चित्तौड़ में जौहर के समय रानी कर्णावती द्वारा दिए गए दान का उल्लेख है।
14. **B** — चीकली ताम्रपत्र, 1483 ई. वागड़ी में लिखे डूंगरपुर के चीकली ताम्रपत्र (1483) में किसानों पर लगने वाले करों और लाग-बाग का विवरण है।
15. **C** — अजयराज चौहान राजा अजयराज ने अपनी रानी सोमलदेवी के नाम वाले "अजयप्रिय द्रम्म" चलाए।
16. **A** — इंडो-ससैनियन इंडो-ससैनियन सिक्के हूणों के आगमन के सूचक हैं। आहत सिक्के बहुत पुराने हैं, और स्वरूपशाही व झाड़शाही रियासतों के सिक्के हैं।
17. **B** — मदनशाही - बीकानेर मदनशाही झालावाड़ का सिक्का था। बीकानेर के सिक्के गजशाही और आलमशाही थे।
18. **C** — बीकानेर 1893 से बीकानेर के चाँदी के सिक्कों पर एक ओर महारानी विक्टोरिया और "विक्टोरिया एम्प्रेस", दूसरी ओर नागरी व उर्दू में महाराजा गंगासिंह का नाम था।
19. **D** — जैसलमेर जैसलमेर के महारावल अखैसिंह ने 1756 में अखैशाही सिक्का चलाया।
20. **C** — अलवर रावशाही रुपया और टका अलवर रियासत की राजगढ़ टकसाल में ढाले जाते थे।

21. **21. A** — कुचामन कुचामन की टकसाल में कुचामनिया रुपया ढाला गया, जिसे शाह आलम द्वितीय के 31वें शासन-वर्ष के अंकन के कारण इकतीसदा कहा गया।
22. **22. B** — अकबर 1568 में चित्तौड़ जीतने के बाद अकबर ने मेवाड़ में "सिक्का एलची" चलाया।
23. **23. B** — वासुदेव बिजौलिया अभिलेख के अनुसार चौहान वंश के संस्थापक वासुदेव ने शाकंभरी में राज्य स्थापित किया और सांभर झील बनवाई।
24. **24. C** — बिजौलिया अभिलेख बिजौलिया अभिलेख में चौहानों को वत्स गोत्रीय ब्राह्मण कहा गया है। चीरवा और अपराजित मेवाड़ के गुहिलों के अभिलेख हैं।
25. **25. A** — कक्कुक घटियाला के अभिलेख (861 ई.) मंडोर के प्रतिहार शासक कक्कुक के काल के हैं।
26. **26. C** — इसमें नागभट्ट प्रथम द्वारा राजधानी मंडोर ले जाने का विवरण है। घटियाला में हरिश्चंद्र की वंशावली और मग ब्राह्मणों के उल्लेख वाले चार अभिलेख हैं। इसमें नागभट्ट प्रथम द्वारा राजधानी मंडोर ले जाने का विवरण नहीं है।
27. **27. A** — मौखरी बड़वा (कोटा-बारा) के तीन यूप स्तंभ (238-39 ई.) मौखरी राजाओं के सबसे प्राचीन अभिलेख हैं।
28. **28. A** — मानमोरी अभिलेख चित्तौड़ के पास मिला 713 ई. का मानमोरी (मानसरोवर) अभिलेख इस क्षेत्र के प्रारंभिक मौर्य राजाओं का उल्लेख करता है।
29. **29. C** — रणछोड़ भट्ट रणछोड़ भट्ट तैलंग ने महाराणा राजसिंह के लिए राज प्रशस्ति (1676) की रचना की; यह राजसमंद में 25 शिलाओं पर उत्कीर्ण है।
30. **30. D** — पदराड़ा से राजसमंद का पदराड़ा अभिलेख (वि.सं. 1490 = 1433 ई.) कुंभा के शासनकाल का सबसे पहला अभिलेख है।
31. **31. C** — मेवाड़ एकलिंगजी के लकुलीश मंदिर में स्थित नाथ प्रशस्ति (971 ई.) मेवाड़ के गुहिल शासक नरवाहन के समय की है।
32. **32. B** — शीतलेश्वर महादेव मंदिर, झालरापाटन
33. **33. B** — निशान
34. **34. A** — मुंशी देवीप्रसाद
35. **35. B** — संकर्षण और वासुदेव

सुमेलित कीजिए

1: 1-D, 2-E, 3-F, 4-A, 5-B, 6-C · 2: 1-D, 2-A, 3-C, 4-E, 5-B

मुख्य परीक्षा अभ्यास

1. **राजस्थान के इतिहास के स्रोत के रूप में अभिलेखों के महत्व की विवेचना कीजिए। (10 अंक)**
 - समकालीन और तिथियुक्त: इनसे काल-क्रम और वंश निश्चित होते हैं (बड़ली, घोसुंडी, बिजौलिया)।
 - राजनीतिक इतिहास: वंशावलियाँ और विजयें (चीरवा, कीर्ति स्तंभ, राज प्रशस्ति)।
 - धर्म: भागवत धर्म (घोसुंडी), यज्ञ (यूप स्तंभ), जैन और पाशुपत संप्रदाय (हर्ष)।
 - प्रशासन और समाज: सामंत (बसंतगढ़), कर (चीकली ताम्रपत्र), सती और जौहर (पुर)।
 - सीमाएँ: प्रशस्तियों में अतिशयोक्ति होती है, इसलिए अन्य स्रोतों से पुष्टि आवश्यक है।
2. **राजस्थान के इतिहास-लेखन में कर्नल जेम्स टॉड के योगदान का मूल्यांकन कीजिए। (10 अंक)**
 - एनाल्स एंड एंटीक्विटीज़ (1829-32): राजपूत रियासतों का पहला सुसंबद्ध इतिहास, और 'राजस्थान' नाम।
 - गुरु यति ज्ञानचंद्र की सहायता से चारण, संस्कृत, फ़ारसी और जैन स्रोतों का उपयोग।
 - सामंती (जागीरदारी) व्यवस्था का पहला विवरण।
 - कमियाँ: रोमानी और राजपूत-समर्थक दृष्टि, चारण कथाओं पर अंधविश्वास, कुछ तिथियाँ गलत।
 - निष्कर्ष: राजस्थान के इतिहास के जनक; उनके कार्य से इस क्षेत्र का आधुनिक अध्ययन आरंभ हुआ।
3. **अभिलेखागारीय स्रोत क्या हैं? राजपूत रियासतों के प्रमुख रिकॉर्डों का वर्णन कीजिए। (5 अंक)**
 - फ़ारसी, राजस्थानी और अंग्रेज़ी में सुरक्षित राजकीय दस्तावेज़।
 - मुग़ल: फ़रमान, निशान, अर्ज़दाश्त, अख़बारत, वकील रिपोर्ट।
 - रियासती: ख़रीता, परवाना, पट्टा, बहियाँ (हक़ीक़त, हुकूमत, कमठाणा)।
 - जयपुर: स्याह हज़ूर, दस्तूर कौमवार।
 - राजस्थान राज्य अभिलेखागार, बीकानेर।